नमामि गंगे

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2021–2022 में आयोजित सूचना शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.) गतिविधियाँ की वार्षिक रिपोर्ट

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून-248001
सचिवालय फोन : 0135-2716262
0135-2650433
फैक्स : 0135-2712827
विधान सभा फोन : 0135-2665100
0135-2665497
फैक्स : 0135-2666166
Email: cm-ua@nic.in

सन्देश

मुझे यह अवगत कराते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता को सुनिश्चित करने का जो बीड़ा ध्वजवाहक कार्यक्रम नमामि गंगे को प्रारम्भ कर उठाया था, आज वह त्वरित गति से पूर्ण हो रहा है। जहाँ एक ओर माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता सुनिश्चित किये जाने हेतु सीवेज प्रबन्धन, रिवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट, वानिकीकरण की परियोजनाएं विकसित की जा रही है वहीं दूसरी ओर जन–जन को इस पुनीत कार्य से जोड़कर एक जनसहभागिता की भागीदारी भी सुनिश्चित हो रही है।

मुझे अत्यन्त हर्ष है कि आज लोग पूरे उत्साह और मनोभाव के साथ आगे आकर माँ गंगा के सांस्कृतिक, आर्थिक एवं धार्मिक धरोहर को संजोए रखने में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहें है। इसी का परिणाम है कि माँ गंगा की निर्मल और अविरल झलक धरातल पर हमें देखने का मिल रही है। उत्तराखण्ड राज्य जीवनदायिनी माँ गंगा का उद्गम स्थल है, इसलिए यहां के जन–जन का माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता के प्रति हमारा कर्तव्य और अधिक हो जाता है। मुझे यह भी अवगत कराते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि मा0 प्रधानमंत्री जी के दूरगामी विजन एवं राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के चलते हम नमामि गंगे की अधिकांश परियोजनाएं ससमय पूर्ण करने में सफल रहें है। राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड में सूचीबद्ध राज्य के विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों जो निरन्तर माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता के सन्देश को प्रचारित कर जन–जन को इस मुहिम में जोड़ने के लिए प्रयासरत् है।

मै अपने राज्य के जनमानस से आशा करता हूँ कि हम सब माँ गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए एक साथ मिलकर प्रण करें कि हम माँ गंगा को किसी भी प्रकार से प्रदूषित नहीं करेंगे और माँ गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण में अपना बहुमूल्य योगदान देकर इस मिशन को सफल बनायेंगे।

(पुष्कर सिंह धामी)

डॉ. धन सिंह रावत
मंत्री
चिकित्सा स्वास्थय, चिकित्सा शिक्षा
सहकारिता, उच्च शिक्षा, संस्कृत शिक्षा,
विद्यालयी शिक्षा

उत्तराखण्ड सरकार

विधान सभा भवन
कक्ष सं. : 20
फोन : 0135-2666304
फैक्स : 0135-2666308 (का.)

सन्देश

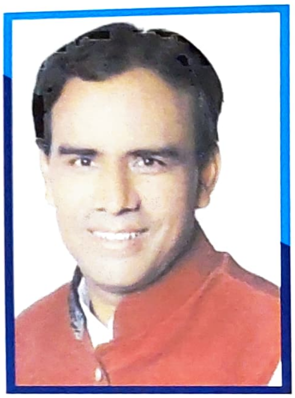

जीवनदायिनी एवं मोक्षदायिनी माँ गंगा की सांस्कृतिक, आर्थिक एवं धार्मिक धरोहर को संजोए रखने के लिए मा० प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गंगा के प्रति सदैव सजग एवं सचेष्ठ भारत सरकार द्वारा शुरू किये गये ''नमामि गंगे'' कार्यक्रम की झलक माँ गंगा की निर्मलता व अविरलता के रूप में दिख रही है। नमामि गंगे कार्यक्रम के महत्वपूर्ण स्तम्भ जन गंगा के तहत् जन–जन को माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता के लिए इस मुहिम भागीदार बनाये जाना नमामि गंगे कार्यक्रम की सफलता का केन्द्र बिन्दु है। उत्तराखण्ड राज्य के जनमानस को माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर अवस्थित राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत् विद्यार्थियों को दी गयी है, चूकिं आज का विद्यार्थी ही कल देश का कर्णधार बनने वाला है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि, माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर अवस्थित राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत् विद्यार्थियों को माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता की अलख जगाने की जो जिम्मेदारी सौंपी गयी है वह उनके द्वारा बखूबी निभाई जा रही है। विगत वर्षो से इन विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों द्वारा व्यापक रूप से माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता हेतु जन मानस को जागरूक किये जाने का प्रयास किया गया है, इस पावन कार्य से जुड़े सभी प्राचार्य, प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएं प्रंशसा के पात्र है।

मै आशा करता हूं कि आगे भी हम इसी तरह माँ गंगा की स्वच्छता एवं निर्मलता हेतु प्रयासरत् रहें ताकि मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत लक्षित किये गये संकल्पों को हम प्राप्त कर सकें।

डॉ. धन सिंह रावत
कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार

जी अशोक कुमार, भा.प्र.से.
महानिदेशक
राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
G Asok Kumar, IAS
DIRECTOR GENERAL
NATIONAL MISSION FOR CLEAN GANGA

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन,
नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF JAL SHAKTI
DEPARTMENT OF WATER RESOURCES
RIVER DEVELOPMENT & GANGA REJUVENATION

सन्देश

मुझे आपको सूचित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि माँ गंगा की अविरलता और निर्मलता को सुनिश्चित करने की दिशा में शुरू किए गए सामूहिक प्रयासों के सुखद परिणाम हमें प्राप्त होने लगे हैं। नदी के संरक्षण, संवर्धन और पारिस्थितिकी संतुलन को लेकर देशवासियों के भीतर आज आशा और विश्वास के साथ एक नई चेतना जागृत हुई है। इस चिंतन ने नदी कायाकल्प के प्रति आम जनमानस को सहजता से एकजुट करने के साथ ही संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को तीव्र गति प्रदान की है।

नमामि गंगे मिशन की राज्य इकाई एसपीएमजी ने उत्तराखंड राज्य में आम जनमानस को नदी संरक्षण कार्यक्रम से जोड़ने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। राज्य में स्कूल और विश्वविद्यालय के छात्रों को विधिवत रूप से नदियों के संरक्षण कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। घाट पर योग, तिरंगा यात्रा, जल संरक्षण सेमिनार एवं वर्कशॉप जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से एसपीएमजी ने राज्य में नदी संरक्षण कार्यक्रम को एक जन-आंदोलन का स्वरुप दिया है।

नदियां हमारी समृद्ध विरासत है, विश्व विरासत स्थलों की भांति ही इनके संरक्षण को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। नमामि गंगे मिशन हमारा एक भागीरथ प्रयास है। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में माँ गंगा के संरक्षण प्रति लोगों की आस्था और जिम्मेदारी का भाव आज अभूतपूर्व स्तर पर है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि राज्य की जनता ने जिस तरह से अब तक मां गंगा के संरक्षण में अपना योगदान दिया है, आने वाले दिनों में भी अन्य नदियों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

(जी. अशोक कुमार)

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
प्रथम तल, मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम, इन्डिया गेट, नई दिल्ली–110002
NATIONAL MISSION FOR CLEAN GANGA
1st Floor, Major Dhyan Chand National Stadium, India Gate, New Delhi - 110002
Ph : 011-23049528 Fax : 23049566 E-mail : dg@nmcg.nic.in

नमामि गंगे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

नितेश कुमार झा
सचिव

उत्तराखण्ड शासन

पेयजल एवं
पंचायती राज विभाग
फोन : 0135–2711227
फैक्स : 0135–2713837

सन्देश

यह प्रसन्नता का विषय है कि पुण्यदायिनी नदी गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण के पुनीत कार्य में जनसहभागिता अभियान में राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत् विद्यार्थी भी सम्मिलित हो गये हैं।

महत्वकांक्षी नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता एवं अविरल प्रवाह सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से जहाँ एक ओर सीवेज, रिवर फ्रन्ट डेवलपमेंट, वानिकीकरण इत्यादि से सम्बन्धित अनेक परियोजनाएँ कार्यान्वित की जा रही है, वहीं इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में केन्द्र एवं राज्य की संस्थाओं द्वारा वृहद स्तर पर सूचना, शिक्षा एवं संचार साधनों के माध्यम से निरन्तर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस पुनीत कार्य में विद्यार्थियों का सम्मिलित होना अत्यन्त हर्ष का विषय है।

राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड में सूचीबद्ध सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जो कि बहुत सराहनीय है।

आशा है कि जनसहभागिता सुनिश्चित किये जाने का यह प्रयास राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में उपयोगी सिद्ध होगी।

31.08.22

(नितेश कुमार झा)

उदय राज सिंह
अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन

पेयजल (नमामि गंगे), ग्रा० विकास एवं गन्ना–चीनी
उत्तराखण्ड सचिवालय
04 सुभाष रोड, देहरादून
दूरभाष कार्यालय : 0135–2713531

सन्देश

राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं अविरल प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014 में प्रारम्भ किये गये ध्वजवाहक ''नमामि गंगे'' के अन्तर्गत गंगा में सीधे प्रवाहित हो रहे खुले प्रदूषित नालों के इंटरसैप्शन एवं डायवर्जन के माध्यम से सीवेज शोधन संयत्र में ले जा कर शोधित किया जा रहा है। इसके साथ ही सीवेज शोधन संयत्र की क्षमता के बेहत्तर उपयोग हेतु उपभोक्ताओं को संयोजन दिलाने का अभियान भी चलाया जा रहा है, जहाँ संयोजन दिलाने में भौगोलिक कठिनाई है, वहाँ पम्पिंग सुविधा तथा सेप्टेज मैनेजमेंट के तहत भी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्मित सीवेज शोधन संयत्र से निकलने वाले परिशोधित जल के पुर्नउपयोग हेतु भी राज्य सरकार द्वारा उचित प्रयास किए गए हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसके अन्तर्गत जल प्रदूषण की रोकथाम के साथ–साथ जन सुविधा की दृष्टि से गंगा किनारे उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न स्थानों पर स्नान घाट एवं मोक्ष गृहों निर्माण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उत्तराखंड में गंगा नदी के कैचमेंट एरिया में वृक्षारोपण, गंगा वाटिकायें विकसित करने तथा नर्सरियां बनाने पर भी विशेष जोर दिया है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु जहां एक ओर नगरों के अपशिष्ट जल प्रबन्धन हेतु सीवेज की परियोजनाएं, रिवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट की परियोजनाएं, वानिकीकरण की परियोजनाएं इत्यादि विकसित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय नदी गंगा के स्वच्छता एवं संरक्षण में जनसहभागिता से इसको एक जन आन्दोलन का रूप दिया जा रहा है।

मुझे यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि, राष्ट्रीय नदी गंगा के स्वच्छता एवं संरक्षण में जनसहभागिता सुनिश्चित किये जाने जो जिम्मेदारी राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड में सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को सौंपी गयी थी, वह उनके द्वारा बखूबी निभाई जा रही है, जिसके लिए मैं सभी सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के कुलपति, प्राचार्य, नोडल अधिकारी एवं छात्र–छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। आशा है कि हम राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण सुनिश्चित किये जाने में अनवरत प्रयासरत रह कर नमामि गंगे कार्यक्रम के लक्षित उद्देश्यों को प्राप्त करेंगे।

(उदय राज सिंह)
अपर सचिव, पेयजल (नमामि गंगे)/
कार्यक्रम निदेशक,
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप,
नमामि गंगे उत्तराखण्ड

सन्देश

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014 में राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता, पारिस्थितिक तन्त्र एवं अविरल प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रारम्भ किये गये ध्वजवाहक कार्यक्रम ''नमामि गंगे'' के अन्तर्गत जहां एक ओर सीवेज, रिवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट, वानिकीकरण इत्यादि की परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रयासों में जनमानस की भागीदारी को बढावा देने के उद्देश्य से वृहद् स्तर पर सूचना शिक्षाा एवं संचार गतिविधियां आयोजित की जा रहीं है। मुझे यह कहते हुए हार्दिक खुशी हो रही है कि, राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण में जनमानस की भागीदारी सुनिश्चित किये जाने की इस मुहिम में राज्य के विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को सम्मिलित किये जाने का जो निर्णय लिया गया है, वह कारगर साबित हो रहा है। इस प्रयास से हम गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता के प्रति जनमानस को जागरूक किए जाने में काफी हद तक सफल हुये हैं तथा आगे भी इस अभियान के माध्यम से गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के सन्देश को राज्य के जन–जन तक पहुंचाने के लिये अनवरत प्रयासरत रहेंगे, इस पावन कार्य में निरन्तर लगे हुए विश्वविद्यालय / महाविद्यालय प्रशंसा के पात्र है। मेरी जन–जन से यह अपील है कि, गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण में अपना सहयोग प्रदान करें।

(शिवानी पाण्डेय)
वित्त निदेशक,
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप,
नमामि गंगे उत्तराखण्ड।

सन्देश

भारत सरकार के महत्वकांक्षी ध्वजवाहक कार्यक्रम '' नमामि गंगे'' के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य में जल प्रदूषण की रोकथाम एवं जन सुविधा की दृष्टि से सीवेज प्रबन्धन, रीवर फ्रन्ट डेवलेपमेन्ट एवं वानिकीकरण की परियोजनाएं विकसित किये जाने के साथ–साथ राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों को अविरल एवं निर्मल बनाने के लिए विभिन्न सूचना शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.) गतिविधियों के द्वारा जनसहभागिता को बढावा दिया जा रहा है।

राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे कार्यालय में सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों द्वारा विगत वर्षो में नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न आई.ई.सी. गतिविधियों का आयोजन कर राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता प्रचारित की है, जिसके लिए मैं सभी सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए साथ आशा करती हूँ कि भविष्य मे भी पूरे उत्साह और भाव के साथ राष्ट्रीय नदी गंगा के सांस्कृतिक, आर्थिक एवं धार्मिक धरोहर को संजोए रखने हेतु जनमानस को जागरूक किये जाने हेतु निरन्तर आई.ई.सी. गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहेगा।

मेरा जनमानस से भी अनुरोध है कि, गंगा एवं इसकी सहायक नदियों में किसी भी प्रकार का प्रदूषण प्रवाहित न कर गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान प्रदान करें।

Namita

(नमिता त्रिपाठी)
तकनीकी सलाहकार,
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप,
नमामि गंगे उत्तराखण्ड।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा उत्तराखण्ड)

कुलपति

ईमेल– vcssju@gmail.com

पत्रांक– SSJU/2022-2023/

दिनांक– 20/08/2022

सन्देश

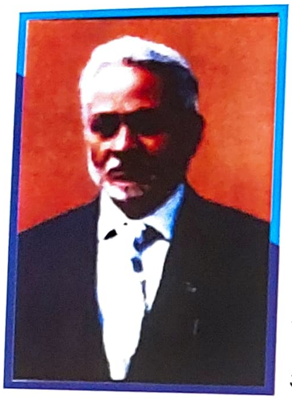

यह हर्ष का विषय है कि, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अन्तर्गत कार्यालय राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा एक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। सृष्टि की संरचना में प्रकृति एवं मानव का युगों से अटूट संबंध रहा है। सृष्टि के अंश के रूप में नदियां प्रमुख स्थान रखती हैं। जो प्रकृति प्रदत्त हैं। इन नदियों के समीप मानव सभ्यता फली–फूली और विकसित हुई है। प्रकृति के केंन्द्र में मानव ने अपने जीवन की शुरूआत की। सभ्यता के आरंभ में प्रकृति के नियमों का अनुपालन कर मानव एवं समस्त प्राणी सुखी थे। किंतु ज्यों–ज्यों भौतिकवादी संस्कृति का हस्तक्षेप हुआ त्यों–त्यों प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन होता रहा। जिसके फलस्वरूप अम्लवर्षा होना, ओजोन परत का क्षरण, ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन गैस प्रभाव, पर्यावरण विघटन और जलवायु परिवर्तन जैसी भंयकर और विनाशकारी समस्याओं का जन्म हुआ। इसके साथ ही ग्लेशियर प्रभावित हुए हैं, जैव विविधता नष्ट हुई है, जीवन चक्र एवं खाद्य श्रृंखला प्रभावित हुई है। विघटनकारी समस्याओं के कारण प्रकृति का क्रम निरंतर टूट रहा है, जो चिंतन का विषय है। मानवजनित समस्याओं के कारण ग्लेशियर एवं नदियों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा है। नदियां दूषित हो रही हैं, जिससे पीने योग्य जल की उपलब्धता पर संकट उत्पन्न हुआ है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार द्वारा नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने, नदियों को स्वच्छ करने और पुनर्जनम के लिए 'नमामि गंगे' की शुरूआत की है, जो उत्कृष्ट पहल है। 'नमामि गंगे' अभियान भारत में गंगा तथा उसकी सहायक नदियों को बचाने, प्रदूषण मुक्त बनाने, उनके पुनर्जनम के लिए जनमानस के साथ मिलकर जागरूकता फैला रहा है। यह अभियान राष्ट्रव्यापी अभियान है जो विराट संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इन सभी प्रयासों को लेकर कार्यालय राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। मैं इस अवसर पर पत्रिका परिवार के सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ और आशा करता हूं कि पर्यावरण संरक्षण के लिए यह पत्रिका पथ–प्रदर्शक का कार्य करे।

शुभमस्तु!

(एन०एस०भण्डारी)
कुलपति

Prof. Surekha Dangwal
प्रो० सुरेखा डंगवाल
Vice Chancellor/कुलपति

दून विश्वविद्यालय
DOON UNIVERSITY

No. ..../VC-DU/20
Date : 25th August, 2022

सन्देश

उत्तराखण्ड राज्य के प्रमुख संस्थान के रूप में, दून विश्वविद्यालय द्वारा राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप (एस.पी.एम.जी.), नमामि गंगे उत्तराखण्ड के लिये आई0ई0सी0 गतिविधियों को शुरू करना गर्व और सम्मान की बात है।

हम श्री उदय राज सिंह, अपर सचिव, नमामि गंगे / कार्यक्रम निदेशक, एस.पी. एम.जी. नमामि गंगे उत्तराखण्ड, श्रीमती शिवानी पांडे, वित्त निदेशक, श्रीमती नमिता त्रिपाठी, तकनीकी सलाहकार एवं श्री पूरन चंद कापड़ी, संचार विशेषज्ञ का धन्यवाद देना चाहते है कि उन्होने आई0ई0सी0 गतिविधियों के लिए दून विश्वविद्यालय को चयनित किया और श्री दुर्गा पैन्यूली, टीम सहायक, एस.पी.एम.जी. उत्तराखण्ड को उनके सहयोग और सुविधा प्रदान करने हेतु हृदय से अभार व्यक्त करते है।

दून विश्वविद्यालय को हमारे देश में स्वच्छ नदियों और जल संरक्षण के लिये महत्वपूर्ण सन्देश को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने में गर्व की अनूभूमि हो रही है। हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदूषण के प्रभावी उन्मूलन, राष्ट्रीय गंगा के संरक्षण और कायाकल्प के बहुआयामी उद्देश्यों को पूरा करना है।

नमामि गंगे के साथ हमारा एक अनवरत और समृद्ध रिश्ता रहा है और व्यक्तिगत रूप से मिशन की भावना और संन्देश में निवेषित है। हम देहरूदन और उत्तराखण्ड में प्रतिपादित मूल्यों को बढ़ावा देने के भविष्य में भी अपने पूरी शक्ति संसाधनों के साथ कोशिश करते रहेंगे ताकि हम अपनी भविष्य की पीढियों को स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वच्छ जल की उपलब्धता सूनिश्चित कर सकें।

Dangwal

(प्रो० सुरेखा डंगवाल)
कुलपति

Mothrowala Road, Kedarpur, P.O. Defence Colony, Dehradun-248001 (Uttarakhand) INDIA | मोथरोवाला रोड, केदारपुर, पो०आ डिफेन्स कालोनी, देहरादून–248001 (उत्तराखण्ड) भारत | Tel. : +91-135-2533102
Fax : 0135-2533110, 2533115
E-mail : vcdoon@gmail.com, doonvc@gmail.com

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय
बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड–249199
Sri Dev Suman Uttarakhand University
Badshahithaul, Tehri Garhwal, Uttarakhand - 249199

डा0 पी0पी0 ध्यानी
Dr. P. P. Dhyani
कुलपति
Vice Chancellor

Tel. : 01376 - 254110 (O)
Fax : 01376 - 254110
Website : www.sdsuv.ac.in
Mail Id : vcsdsuv2018@gmail.com

Ref. No. : SDSUV/VC/ 54

Dated : 01/08/2022

सन्देश

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि, जीवन दायिनी व मोक्षदायिनी माँ गंगा के वैभव, पौराणिक महत्व एवं जनमानस में इसके प्रति आस्था के दृश्टिगत इसके निर्मल एवं अविरल प्रवाह बनाये रखने के लिए क्रियान्वित किये जा रहे नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की अविरलता एवं निर्मलता के प्रति जनमानस में जागरूकता प्रचारित किये जाने का कार्य राज्य के गंगा तट पर अवस्थित वि वविद्यालय/महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं द्वारा किया गया जा रहा है।

उत्तराखण्ड राज्य में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के आस–पास अवस्थित वि वविद्यालय/महाविद्यालयों को नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के साथ सूचीब) कर इन वि वविद्यालय/महाविद्यालयों में अध्यनरत् छात्र–छात्राओं को माँ गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण की मुहिम से जोड़ा जाना मील का पत्थर साबित होगा, छात्र–छात्राओं द्वारा इस मुहिम में बढ़ –चढ़कर प्रतिभाग कर माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति जनमानस को व्यापक रूप से जागरूक किया जा रहा है।

माँ गंगा की निर्मलता एवं अविरलता बनाये रखने के सन्देश को जनमानस के मध्य प्रचारित किये जाने के कार्य में लगे सभी वि वविद्यालय/महाविद्यालयों एवं नमामि गंगे टीम को बहुत–बहुत शुभकामनाएं। मुझे आशा ही नही अपितु विश्वास है कि नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत हम माँ गंगा की निर्मलता एवं अविरलता के संकल्प को प्राप्त करेंगे।

(डॉ0 पिताम्बर प्रसाद ध्यानी)
कुलपति

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड

हल्द्वानी – 263139 (नैनीताल)

Mail-Higherducation.director@gmail.com

पत्रांक / 2914 दि० 02/08/22

सन्देश

राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के निर्मल एवं अविरल प्रवाह सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत भारत सरकार के ध्वजवाहक नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न परियोजनाएं विकसित किये जाने के साथ–साथ जनभागीदारी भी अत्यन्त आवश्यक है, नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत इस पुण्य कार्य की जिम्मेदारी राज्य के गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर स्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को दिया जाना एक उपयोगी निर्णय साबित हो रहा है।

मुझे यह बताते हुए अत्यन्त खुशी हो रही है कि, राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड द्वारा सूचीबद्ध किये गये गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर स्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा वर्ष भर अनेक माध्यमों से जनमानस को माँ गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाता रहता है, जिससे एक ओर जनमानस में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण का सन्देश व्यापक रूप से प्रचारित हो रहा है वहीं दूसरी ओर अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं को उनके कर्तव्यों के निर्वहन की शिक्षा प्रदान की जा रही है, क्योंकि इन्हीं छात्र–छात्राओं पर देश के भविष्य की जिम्मेदारी है।

माँ गंगा की निर्मलता एवं अविरलता बनाये रखने हेतु जनमानस को जागरूक करने के इस पुनीत कार्य में लगे नमामि गंगे टीम एवं सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय बधाई के पात्र हैं। हम सबको यह प्रण लेना होगा कि, हम जाने अनजाने किसी भी प्रकार से नदियों को प्रदूषित न करें ताकि जिससे हम भारत सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना नमामि गंगे के आयामों को प्राप्त कर सकें।

प्रो0 (संदीप कुमार शर्मा)
निदेशक उच्चशिक्षा
उत्तराखण्ड।

सन्देश

मैं माननीय प्रधानमंत्री जी, माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय विधायक एवं समस्त नमामि गंगे परिवार का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होने महाविद्यालय परिवार को अपने परिवार में सम्मिलित कर हमारे मनोबल में वृद्धि की है।

नमामि गंगे की विचारधारा केवल चिन्तन मनन एवं रचनाधर्मिता को ही अभिव्यक्त नहीं करती वरन् विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के ऊर्जावान व चिन्तनशील मन की ओजस्वी भावनाओं को सही दिशा में मार्ग प्रशस्त करती है।

आज प्रकृति एवं मानवता को संरक्षित एवं संवर्द्धित करने की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करने को युवा वर्ग को रचनात्मक एवं सकारात्मक सोच प्रदत्त करने की आवश्यकता है तभी हम देश में जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण कर पाने में सफल होंगे। समस्त समाज के निर्माण के लिये गुणवत्ता युक्त शिक्षा के साथ–साथ रचनात्मक के लिये संकल्पित होना होगा। नमामि गंगे के द्वारा समविकास के आदर्श को अक्षुण्ण रखने का प्रयास किया जा रहा है जो सराहनीय है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा तराई भाबर के युवाओं को उच्च नैतिक मूल्य वाली उच्च शिक्षा प्रदान कर जनआकांक्षाओं को यथार्थ रूप में परिवर्तित करने के लिये सतत् क्रियाशील है। नमामि गंगे जैसी विचारधारा से भविष्य में भी इसकी निरन्तरता बनी रहेगी, ऐसी हम आशा करते है।

अन्त में पत्रिका सम्पादन की सफलता हेतु समस्त शुभकामनाओं सहित।

(डॉ0 आर0सी0 पुरोहित)
प्राचार्य
हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा, ऊधम सिंह नगर

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
National Mission for Clean Ganga

सन्देश

यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि गंगा नदी के प्राचीन वैभव की प्राप्ति, उनके संरक्षण और संवर्धन की दिशा में नमामि गंगे मिशन नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत, एसपीएमजी ने उत्तराखंड में अपनी सामूहिक संकल्प शक्ति के द्वारा नदियों के संरक्षण को जन आंदोलन में परिवर्तित किया है।

कोरोना महामारी के संकटकाल में भी राज्य में पूरी प्रतिबद्धता के साथ नदियों के संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए गए। नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत गंगा क्वेस्ट ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता और हर महीने आयोजित किए जाने वाले इग्नाईटिंग यंग माइंड्स: रिजुवेनेटिंग रिवर जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हम नदियों के संरक्षण कार्यक्रम को एक जन-आंदोलन में परिवर्तित करने में सफल हो रहे हैं। आज हम युवाओं और छात्रों को नदियों के भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक महत्व और वर्तमान स्थिति से जोड़कर उन्हें नदी संरक्षण के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील बना रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि आगे भी आप सभी माँ गंगा के प्रति अपना प्यार और लगाव इसी तरह बनाए रखेंगे। आप सभी के सहयोग से हम जल्द ही मां गंगा और उनकी सहायक नदियों के संरक्षण और संवर्धन के लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

नजीब

मोहम्मद नजीब अहसन

वरिष्ठ संचार प्रबंधक,

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन

एन.एम.सी.जी., (जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, भारत सरकार)
प्रथम तल, मेजर ध्यान चन्द नेशनल स्टेडियम, इन्डिया गेट, नई दिल्ली–110002
NMCG, (Ministry of Jal Shakti, Department of Water Resources, River Development & Ganga Rejuvenation, Government of India)
First Floor, Major Dhyan Chand National Stadium, India Gate, New Delhi-110002
Ph.: 011-23072900, 23072901

आभार

महत्वकांक्षी नमामि गंगे कार्यक्रम का महत्वपूर्ण स्तम्भ है 'जन गंगा'। राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता व संरक्षण सुनिश्चित करने हेतु सीवेज, रिवर फ्रन्ट डेवलपमेण्ट, वानिकीकरण इत्यादि परियोजनाओं के साथ–साथ जन–भागीदारी भी नमामि गंगे कार्यक्रम की सफलता का केन्द्र बिन्दु है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.) साधनों के माध्यम से निरन्तर व्यापक स्तर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता प्रचारित किये जाने के उद्देश्य से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के तटों पर अवस्थित विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को आई.ई.सी. गतिविधियों आयोजित किये जाने हेतु राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड कार्यालय में सूचीबद्ध किया गया।

गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता के प्रचार–प्रसार के पुनीत दायित्व के निर्वहन मे अग्रसर सभी सूचीबद्ध विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों कुलपतियों, प्राचार्यों, नामित नोडल अधिकारियों एवं छात्र–छात्राओं का मैं धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एन.एम.सी.जी.), जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप (एस.पी.एम.जी.), नमामि गंगे उत्तराखण्ड के उच्चाधिकारियों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके दिशा–निर्देश एवं मार्गदर्शन से यह पुनीत कार्य सम्भव हुआ है। आई.ई.सी. गतिविधियों के आयोजन में उच्च शिक्षा निदेशक, उत्तराखण्ड का भी विशेष सहयोग रहा है, जिसके लिए मैं उनका अभार व्यक्त करता हूँ। मैं अपने एन.एम.सी.जी. व एस.पी.एम.जी. के सहयोगियों का भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

आशा है कि हम भविष्य में भी गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता प्रचारित करते रहें ताकि जन–जन को इस पुनीत कार्य से जोड़कर जनसहभागिता की भागीदारी से हम निर्मल एवं अवरिल गंगा के संकल्पित लक्ष्य को प्राप्त कर सकें।

(पूरन चन्द कापड़ी)
संचार विशेषज्ञ
राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप,
नमामि गंगे उत्तराखण्ड

आभार

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जब से देश के प्रधानमंत्री बने है तभी से देख एक सुखद क्रान्तिकारी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में इन व्यापक परिवर्तनों की श्रृंखला में सर्वाधिक महत्वपूर्ण महत्वकांक्षी प्राण प्रण संकल्प व देश की आस्था एवं संस्कृति का प्रवाह समझी जाने वाली गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की पवित्रता एवं निर्बाध प्रवाह की प्रतिबद्धता से है।

नमामि गंगे केवल कार्यक्रम मात्र न होकर एक आन्दोलन है और इस आन्दोलन की प्राण वायु आदणीय प्रधानमंत्री जी का संकल्प है तथा उत्तराखण्ड में इस संकल्प को पूर्ण करने के लिये बचनवद्ध प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी है।

गंगा नदी के उद्गम स्थल देवभूमि उत्तराखण्ड से ही है अगर हम इसके पवित्र प्रवाह के लिये समर्पित हो जाये तो यह महानगरों में बहते बडे गन्दे नाले के कलंक से मुक्त हो जायेगी और भावी पीढ़ी को यह उसी रूप में प्राप्त होगी जैसे यह सतयुग में रही है।

अन्त में, मैं आभारी हूँ अपने प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी व 'नमामि गंगे' परिवार का जिन्होने मुझे तथा हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा को इस पुनीत कार्य हेतु विश्वास जताकर पुण्य लाभ का अवसर प्रदान किया।

(डॉ० डी.के. चन्दोला)
नोडल अधिकारी, नमामि गंगे,
हेमवती नन्दन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खटीमा, ऊधम सिंह नगर

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा उत्सव

- गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत् राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा द्वारा दिनांक 12.11.2022 को वृहद स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया।
- इस दौरान छात्र–छात्राओं द्वारा जैव विविधता के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की गयी।

04 नवम्बर के दिवस पर गंगा नदी को भारत की राष्ट्रीय नदी घोषित किये जाने उपलक्ष्य में गंगा बेसिन राज्यों में आयोजित किये जा रहे 'गंगा उत्सव' कार्यक्रम के तहत् राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा द्वारा दिनांक 12.11.2022 को वृहद स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। पौधारोपण अभियान में महाविद्यायल के छात्र–छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर इनकी सुरक्षा की भी जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर प्राध्यपकगण द्वारा छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रजाति के वृक्षों की विस्तृत जानकारी दी गयी तथा वृक्षारोपण के महत्व को भी बताया गया। साथ जैव विविधता के महत्व को भी छात्र–छात्राओं के समक्ष रखा गया।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत् महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए छात्र–छात्राएं एवं प्राध्यपकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत् महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए छात्र–छात्राएं एवं प्राध्यपकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा उत्सव कार्यक्रम के तहत् महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण करते हुए छात्र–छात्राएं एवं प्राध्यपकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस

- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत 09 नवम्बर, 2021 को उत्तराखण्ड स्थापना दिवस की 21वीं वर्षगांठ मनायी गयी।
- इस दौरन 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड की परिकल्पना एवं गंगा स्वच्छता व संरक्षण' विषयक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

09 नवम्बर, 2021 को उत्तराखण्ड स्थापना दिवस की 21वीं वर्षगांठ के अवसर पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा 'आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड की परिकल्पना एवं गंगा स्वच्छता व संरक्षण' विषयक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री के विशेष कार्यकारी अधिकारी श्री नवीन जोशी एवं श्री अमित पाण्डे जी रहें। कार्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा उत्तराखंड आंदोलनकारियों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनका स्मरण किया। इसके पश्चात् वक्ताओं द्वारा छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि, उत्तराखंड राज्य स्थापना के अवसर पर हमें कर्तव्यों और दायित्व का सम्यक निर्वाहन करना होगा, पृथक राज्य उत्तराखंड के निर्माताओं के स्वप्न को पूरा करने के लिए अपनी संस्कृति और विशिष्टता को संरक्षित और संवर्धन करना चाहिए। इसके वक्ताओं द्वारा कहा गया कि, चूकिं उत्तराखण्ड राज्य राष्ट्रीय नदी गंगा का उद्गम स्थल है जिसके दृष्टिगत राज्य वासियों की गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु जिम्मेदारी अधिक बढ़ जाती है।

उत्तराखण्ड शासन

राज्य स्थापना दिवस पर के अवसर पर छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए अतिथि गण एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

राज्य स्थापना दिवस पर के अवसर पर छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए अतिथि गण एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

राज्य स्थापना दिवस पर के अवसर पर छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए अतिथि गण एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकगण

नदी उत्सव

- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर में दिनांक 17 से 23 नवम्बर, 2021 तक 'नदियों का उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- इस दौरान महाविद्यालय द्वारा गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति स्वच्छता एवं संरक्षण के दृष्टिगत व्यापक स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

आजादी 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारत वर्ष में आयोजित किये जा रहे 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत भारत की नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता के उद्देश्य से दिनांक 17 से 23 नवम्बर, 2021 तक आयोजित किये जा रहें 'नदियों का उत्सव' कार्यक्रम का राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार, एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर द्वारा दिनांक 17 से 23 नवम्बर, 2021 तक वृहद स्तर पर गंगा एवं इसकी सहायक नदियों के प्रति जनमानस में व्यापक जागरूकता एवं इस हेतु अपना पूर्ण योगदान दिये जाने के दृश्टिगत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। हस्ताक्षर अभियान में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिभाग कर जनमानस को हस्ताक्षर के माध्यम से गंगा एवं इसकी सहायक नदियों को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई गयी, साथ ही गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं निर्मलता बनाये रखने हेतु उनके सुझाव भी लिये गये।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नदियों का उत्सव' कार्यक्रम के तहत् आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं एवं जनमानस

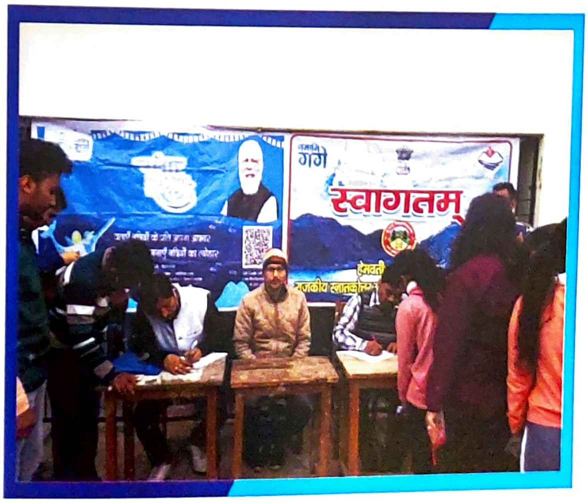

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नदियों का उत्सव' कार्यक्रम के तहत् आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं एवं जनमानस

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

नदियों का उत्सव' कार्यक्रम के तहत् आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं एवं जनमानस

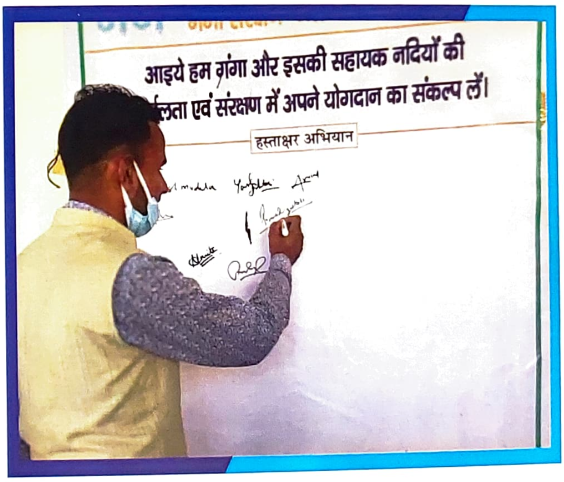

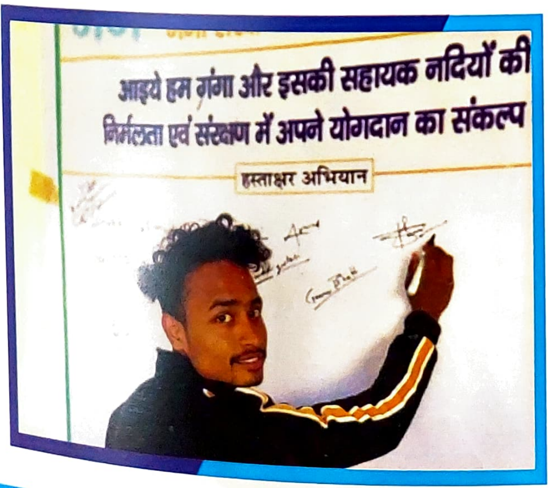

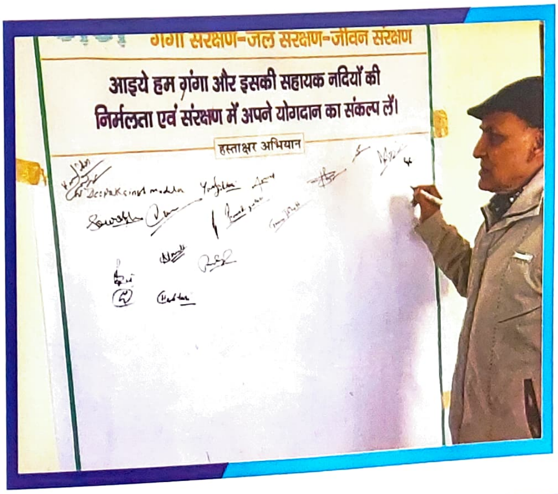

नदियों का उत्सव' कार्यक्रम के तहत् आयोजित हस्ताक्षर अभियान में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं एवं जनमानस

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

रक्तदान शिविर

- राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नमामि गंगे कार्यक्रम के 23 मार्च 2022 को बलिदान दिवस का आयोजन किया गया।
- कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को महाविद्यालय में श्रद्धांजलि देकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

23 मार्च 2022 को बलिदान दिवस पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता की लड़ाई में खुद को देश की वेदी पर चढ़ाने वाले नायक भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाये जाने वाले बलिदान दिवस पर सर्वप्रथम भगतसिंह, सुखदेव और राजगुरु को महाविद्यालय में श्रद्धांजलि दी गयी। इसके पश्चात् महाविद्यालय परिसर में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं द्वारा रक्तदान किया गया। रक्त दान शिविर में प्रतिभाग कर रहें सभी प्रतिभागियों को गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया गया।

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

बलिदान दिवस पर आयोजित रक्त दान शिविर में प्रतिभाग करते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

बलिदान दिवस पर आयोजित रक्त दान शिविर में प्रतिभाग करते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नमामि गंगे

उत्तराखण्ड शासन

गंगा स्वच्छता पखवाड़ा

- दिनांक 15 से 31 मार्च, 2022 तक आयोजित किये जा रहें 'गंगा स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम के तहत् राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ऊधम सिंह नगर में विभिन्न सूचना शिक्षा एवं संचार गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- स्वच्छता रैली में छात्र–छात्राओं द्वारा गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के संदेशयुक्त तख्तियों एवं उद्घोशों के माध्यम से जनमानस में जागरूकता प्रचारित की गयी।

राष्ट्रीय नदी गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में सरकारी प्रयासों के साथ–साथ जनभागीदारी भी सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से गंगा बेसिन राज्यों में दिनांक 15 से 31 मार्च, 2022 तक आयोजित किये जा रहें 'गंगा स्वच्छता पखवाड़ा' कार्यक्रम के तहत् राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन ग्रुप, नमामि गंगे उत्तराखण्ड के तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ऊधम सिंह नगर में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु जनमानस में व्यापक जागरूकता के दृश्टिगत विभिन्न सूचना शिक्षा एंव संचार गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं एंव प्राध्यपकगणों द्वारा स्वच्छता रैली निकाल कर किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम में एकरूपता के दृश्टिगत छात्र–छात्राओं को नमामि गंगे लोगोयुक्त टी–शर्ट एवं कैप वितरित की गयी। स्वच्छता रैली में छात्र–छात्राओं द्वारा गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण के संदेशयुक्त तख्तियों एवं उद्घोषों के माध्यम से जनमानस में जागरूकता प्रचारित की गयी। इसके पश्चात् छात्र–छात्राओं द्वारा छठ पूजा घाट खटीमा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान के दौरान छात्र–छात्राओं द्वारा जनमानस को भी स्वच्छता बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया। अन्त में गंगा स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने गंगा एवं इसकी सहायक नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण में अपना पूर्ण योगदान अदा करने की गंगा शपथ लेकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

उत्तराखण्ड शासन

कार्यक्रम की एकरूपता के दृष्टिगत छात्र–छात्रओं नमामि गंगे लोगोयुक्त टी–शर्ट एवं कैप वितरित करते हुए

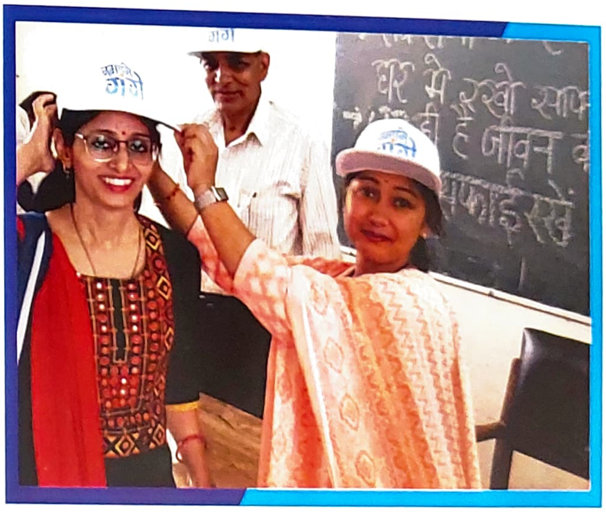

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

स्वच्छता रैली निकालते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

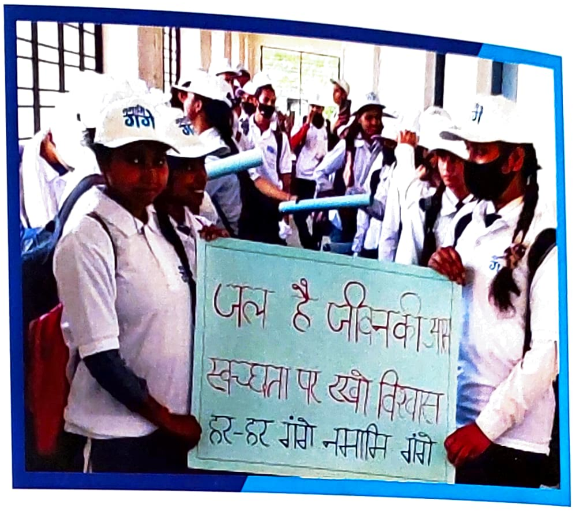

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

स्वच्छता रैली निकालते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

स्वच्छता अभियान चलाते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

नमामि गंगे

सत्यमेव जयते

उत्तराखण्ड शासन

गंगा स्वच्छता एवं संरक्षण की शपथ लेते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

स्वच्छता अभियान चलाते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

नमामि गंगे

उत्तराखण्ड शासन